प्रस्तावना

रेलवे कोचों के मिडलाइफ स्तर पर संचालन के अलावा यात्रीयों की सुख सुविधाओं की दृष्टि से उनकी स्थिति में सुधार करने के उद्देश्य से मिडलाइफ रीहैबलीटेशन, विशिष्ट कार्य है।

वर्ष 2008–09 में रूपये 79.9 करोड की लागत से नये कोच मिडलाइफ रीहैबलीटेशन (MLR) कारखाना झांसी के निर्माण की स्वीकृति मिली। यह कारखाना मैसर्स एल एण्ड टी द्वारा टर्न की ठेके के माध्यम से बहुत तीव्रगति से तैयार किया गया।

झांसी में स्थापित किया गया 32 एकड में फैला हुआ कोच एमएलआर(MLR) कारखाना इस श्रेणी में भोपाल के बाद दूसरा सबसे बडा कोच कारखाना है। 117.66 करोड की लागत से सम्पूर्ण ढांचा तैयार किया गया, इसका वार्षिक लक्ष्य भारतीय रेलवे के लिए 250 पुराने कोचों को नये कोचों में रूपान्तरित करने का है।

कारखाने के शीघ्र और प्रभावी तौर पर परिचालन हेतु 993 गैर–राजपत्रित और 11 राजपत्रित पदों का भरने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड भेजा गया। अब तक रेलवे बोर्ड ने ग्रेड "सी" में 300 तकनीकी पदों को स्वीकृत करने हेतु सूचित किया गया और 09 क्षेत्रीय रेलों से किन्ही निचली भर्ती श्रेणी में तकनीशियन के 216 पदों को भरने के लिए 24 कर्मचारी प्रति क्षेत्रीय रेल की दर से स्थानान्तरण के माध्यम से भरने के आदेश प्रदान किये गये ।

एमएलआर कारखाना के लिए आज तक कुल 494 पद कर्मचारियों एवं 08 पद अधिकारियों के स्वीकृत किय गये है। जिसमें स्ट्रिपिंग,प्लामिंग,फर्निसिंग,स्क्रेप एवं गारवेज निष्तारण इत्यादि जैसी कई गतिविधियां बाहरी स्त्रोतों के माध्यम से, और मदों की व्यवस्था भंडार के माध्य से की जानी है। झांसी क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए अधिक अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे झांसी क्षेत्र की जनता को परोक्षरूप से रोजगार मिलेगा।

वर्ष 2015 –16 कारखाने के परिचालन का प्रथम वर्ष था, जिसमें कुल 12 कोचों का निष्पादन किया गया। एमएलआर कारखाना द्वारा सभी कोचों में बायो टैंक फिट करने के बाद टर्न आउट किया गया।

कारखाना के चलन और उसके प्रभावी कार्योंत्पादन में लाने के लिए सभी के प्रयास किए गये। एमएलआर कारखाने ने वर्ष 2016–17 में 40 कोच के निष्पादन के लिए योजना तैयार की है।